आखर हिंदी पत्रिका

An International Peer Reviewed Referred Online E-Journal

E- ISSN - 2583-0597; खंड 3/अंक 4/सितंबर 2023

अनुक्रमणिका

संपादकीय — प्रो. प्रतिभा मुदलियार — 384-385

शोधालेख

- रामचरितमानस के पात्रों में मनोवैज्ञानिकता का समन्वय — कमलेश दूहन — 386-392
- हिन्दी कथा साहित्य में उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति — प्रकाश चन्द्र उनियाल — 393-397
- साहित्य में मिथक: स्वरूप एवं विशेषताएँ — सुनिता शंकर पवार, प्रो.डॉ. शिवाजी सांगोळे — 398-402
- वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी का स्थान — डॉ. अजय कुमार — 403-406
- वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी भाषा का सृजन व विकास — डॉ. विजय कुमार — 407-411
- कुष्ठ रोग - एक सामाजिक समस्या व राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम — अखिलेश्वर कुमार साहू — 412-418
- अनामिका की कविताओं में बनते चरित्रों के घरौंदे — केसरबेन राजपुरोहित — 419-423
- कोरगा' आदिवासी – एक विश्लेषणात्मक अध्ययन — सुमा टी.आर.,रामकृष्ण के.एस — 424-428
- बहुभाषी समाज में हिन्दी भाषा का महत्व — डॉ. ज्योति ज्ञानेश्वरी — 429-431
- हिन्दी और जनसंचार माध्यम — डॉ.अर्चना गौतम — 432-439

लेख

- वैश्वीकरण और हिन्दी की अस्मिता — प्रो.प्रतिभा मुदलियार — 440-445

कहानी

- किस्सा-ए-सर्टिफिकेट — रिम्पू सिंह 'सुभाषिनी' — 446-448

कविताएं

- हिन्दी सिर्फ भाषा नहीं है — अनिता कपूर — 449-451
- बदलती दुनिया — डॉ.बिंदु. ए. बी — 452-453
- रिश्ता — अरविंद कुमार — 454
- हिन्दी भाषा महाकुंभ — सुषमा मेहता — 455

****